



॥ श्री कार्तिकेय जी पूजा विधि ॥
कार्तिकेय जी का स्मरण मन में साहस,
बुद्धि और आत्मविश्वास जगाता है।

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कार्तिकेय जी पूजा विधि ॥

पूजा का महत्व

भगवान कार्तिकेय जी देवताओं के सेनापति, साहस, ज्ञान और विजय के देवता माने जाते हैं। उनकी पूजा करने से भय, बाधाएँ और नकारात्मकता दूर होती है तथा आत्मबल, यश और सफलता प्राप्त होती है।

पूजा सामग्री

कार्तिकेय जी की मूर्ति या चित्र, लाल या पीले फूल
अक्षत (चावल), रोली और चंदन
धूप, दीप, नैवेद्य (फल, मिठाई)
पंचामृत, नारियल
कपूर और आरती थाली

पूजा की विधि

1. स्नान और संकल्प

प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थान को शुद्ध करके पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें। हाथ में जल लेकर व्रत/पूजा का संकल्प करें।

2. भगवान का ध्यान

भगवान कार्तिकेय जी का ध्यान करें—

ॐ षडाननाय विद्महे

शक्तिहस्ताय धीमहि।

तन्नः स्कन्दः प्रचोदयात्॥

3. आवाहन

भगवान कार्तिकेय जी को पुष्प अर्पित कर आवाहन करें।

4. पंचोपचार/षोडशोपचार पूजा

चंदन अर्पित करें
अक्षत चढ़ाएँ
पुष्प अर्पित करें
धूप और दीप दिखाएँ
नैवेद्य अर्पित करें

5. मंत्र जाप

इन मंत्रों का जाप करें—
ॐ स्कन्दाय नमः॥
ॐ कार्तिकेयाय नमः॥
ॐ षण्मुखाय नमः॥

108 बार जाप करना शुभ माना जाता है।

6. स्तोत्र या चालीसा पाठ

श्री कार्तिकेय चालीसा
कार्तिकेय स्तुति
स्कन्द षष्ठी कवचम् (यदि संभव हो)

7. आरती

पूजा के अंत में श्रद्धापूर्वक आरती करें।
आरती मंत्र
जय कार्तिकेय स्वामी,
जय षडानन स्वामी॥

8. प्रसाद वितरण

भगवान को भोग लगाकर परिवार में प्रसाद बाँटें।

विशेष दिन

षष्ठी तिथि

स्कन्द षष्ठी

मंगलवार

कार्तिक मास

इन दिनों पूजा का विशेष फल माना जाता है।

